पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0
(राज्यपाल सूचना परिसर)

———

राज्यपाल ने जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के नैक मूल्यांकन हेतु प्रस्तुतिकरण की समीक्षा की

———

कार्य करने की समय सीमा बढ़ाकर शीघ्र–अतिशीघ्र कार्यों को पूर्ण करें

———

टीम सदस्य आपस में जानकारियों का आदान–प्रदान कर एस. एस.आर. को सशक्त करें

———

आई.क्यू.ए.सी. की चेयरमैन टीम के प्रत्येक सदस्य को विश्वविद्यालय की सुविधाओं, व्यवस्थाओं, इन्फ्रास्ट्रक्चर से परिचित कराएं

———

क्राइटेरिया हेड अपना प्रस्तुतिकरण स्वयं दे

———

प्रस्तुतिकरण में लगाए गए सभी प्रपत्रों पर रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर आवश्यक रूप से सुनिश्चित कराएं

–राज्यपाल, श्रीमती आनंदीबेन पटेल

———

लखनऊ : 17 जनवरी, 2024

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने आज यहाँ राजभवन में जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया के नैक हेतु दाखिल होने वाली सेल्फ स्टडी रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने बिन्दुवार समीक्षा के दौरान एस.एस.आर. को मूल्यांकन बिन्दुओं के अनुरूप न होने, विश्वविद्यालय की टीम में आपसी तालमेल की कमी और सशक्त प्रस्तुतिकरण के अभाव पर गहरी अप्रन्नता व्यक्त की।

राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की टीम को कार्य करने की समय सीमा बढ़ाकर शीघ्र–अतिशीघ्र कार्यों को पूर्ण करने, कुलपति द्वारा स्वयं नैक के सभी सदस्यों के साथ प्रत्येक क्राइटेरिया पर मूल्यांकन बिन्दु के कार्यों की सम्पूर्णता का अवलोकन करने, टीम सदस्यों के आपस में जानकारियों का आदान–प्रदान कर एस. एस.आर. को सशक्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति प्रो0 कल्पलता को भी नैक की तैयारियों में आमंत्रित कर उनके कार्यों और अनुभवों से अपनी रिपोर्ट के विवरण को समृद्ध करें। उन्होंने टीम में आई.क्यू.ए.सी. की चेयरमैन को निर्देश दिया कि वे टीम के प्रत्येक सदस्य को विश्वविद्यालय की सुविधाओं, व्यवस्थाओं, इन्फ्रास्ट्रक्चर आदि से परिचित कराएं, जिससे एस.एस.आर. में सभी उल्लेख समग्रता से हो सके। उन्होंने आई.क्यू.ए.सी. चेयरमैन को निर्देश दिया कि वे स्वयं किसी क्राइटेरिया को प्रस्तुत न करें, क्राइटेरिया हेड स्वयं अपना प्रस्तुतिकरण दें। उन्होंने प्रस्तुतिकरण में लगाए गए सभी प्रपत्रों पर रजिस्ट्रार के हस्ताक्षर आवश्यक रूप से सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया।

एस.एस.आर. प्रस्तुतिकरण के दौरान विवरण में विद्यार्थियों की उपलब्धियाँ और प्लेसमेंट का विवरण, विद्यार्थियों के फीडबैक और उस पर कार्यवाही, संलग्न सभी फोटो मूल्यांकन में मांगी गयी जानकारी के अनुकूल और गतिविधि युक्त संलग्न करने, सभी फोटो पर गतिविधि की जानकारी दर्शाने वाले कैप्शन लगाने, विवरण में व्याकरण की अशुद्धियाँ दूर करने, मेंटर–मेंटी बनाने, विश्वविद्यालय के एम.ओ.यू. को क्रियाशील करके शीघ्र लाभ प्राप्त करने, विश्वविद्यालय का आगामी 5 साल का और

उसके आगे 10 साल का विजन डाक्यूमेंट और स्ट्रेटाजिक प्लान बनाने जैसे विविध महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय की बेस्ट प्रैक्टिस की समीक्षा करते हुए गोद लिए गांवों में आंगनवाड़ी किट वितरण के उपरान्त हुए सुधारों का सर्वे कराकर उल्लेख जोड़ने, विश्वविद्यालय द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दिए जा रहे विविध प्रशिक्षणों का विवरण अंकित करने को कहा। उन्होंने क्राइटेरिया–4 का पुनर्लेखन करने का निर्देश दिया।

बैठक में राज्यपाल जी ने विश्वविद्यालय आई टीम के प्रत्येक सदस्य को दिए गए निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने और सशक्त एस.एस.आर. तैयार करने को कहा। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय की स्थापना 22 दिसम्बर, 2016 में हुई थी और अब विश्वविद्यालय पहली बार नैक ग्रेड प्राप्त करने हेतु तैयारी कर रहा है।

समीक्षा बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 संजीत कुमार गुप्ता, विश्वविद्यालय की नैक टीम के सभी सदस्य तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

———

डा0 सीमा गुप्ता, सहायक निदेशक
कृष्ण कुमार, सूचना अधिकारी, राजभवन
सम्पर्क सूत्र– 8318116361

राजभवन उत्तर प्रदेश

राजभवन उत्तर प्रदेश